लेख

जल खण्ड के लिए जेंडर अनुकूल बजट

परिचय

पिछले 30 वर्षों में जल खण्ड में महिलाओं के सशक्तिकरण, महिलाओं और पुरुषों के बीच समानता, आर्थिक अधिकारों, मानवाधिकारों, और संसाधनों तक पहुंच तथा निर्णय लेने की शक्ति में बराबरी और निष्पक्षता के लिए असंख्य सभाएं, घोषणाएं, कार्यवाही योजनाएं और वादे किए गये हैं।

जल संस्थानों और नीतियों में अन्तरानुभागीय विश्लेषण का समावेश करते हुए जेंडर समानता की शुरूआत की गयी है, पर यह धीमी गति से हो रहा है। इसके अतिरिक्त, पिछले दस से बीस वर्षों में नयी समावेशित और न्यायसंगत नीतियों का क्रियान्वयन कई कारकों से प्रभावित हुआ है। इसमें राजनैतिक इच्छा और वचनबद्धता की कमी, जल संसाधन प्रबंधन में एक सम्मिलित नज़रिए तथा महिलाओं और लड़कियों के साथ सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनैतिक भेदभाव शामिल हैं।

जेंडर अनुकूल बजट पहल एक ऐसा मजबूत साधन है जो सम्मेलनों, नीतियों और वादों को लागू करने में मदद करता है।

जेंडर अनुकूल बजट पहल वृहत-आर्थिक नीतियों और बजटों में जेंडर संवेदनशीलता की कमी की पहचान हेतु विकसित किए गए थे। प्रथम जेंडर-अनुकूल बजट आस्ट्रेलिया में 1984 में प्रस्तुत किया गया था। वृहत-आर्थिक नीतियां और बजट महिलाओं के भुगतान रहित श्रम को स्वीकार नहीं करते हैं और इसलिए राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में पुरुषों के योगदान की तुलना में महिलाओं के योगदान को जगह व कीमत नहीं मिलती। किसी भी देश की विकास प्राथमिकताओं के लिए राष्ट्रीय बजट मुख्य दस्तावेज़ होता है। यदि सरकार का राष्ट्रीय बजट जेंडर-संवेदी नहीं है तो यह राष्ट्रीय विकास प्रयासों में महिलाओं की भूमिकाओं और योगदानों को पहचान नहीं पाता और अतः महिलाओं की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को भी पूरा नहीं करता है। सभी देशों में महिलाओं और पुरुष विभिन्न भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों को निभाते हैं और संसाधन और निर्णय पर उनकी पहुंच और नियंत्रण असमान होती हैं, अतः बजट उन पर विभिन्न प्रकार से प्रभाव डालते हैं।

जेंडर अनुकूल बजट पहल

जेंडर अनुकूल बजट पहल नीतियों, कर-निर्धारण, राजस्व, व्यय और घाटों का लैंगिक नज़रिए से विश्लेषण करते हैं। ये वे साधन हैं जिससे यह मूल्यांकन करने में मदद मिलती है कि सरकारी नीतियां और कार्यक्रम महिलाओं और पुरुषों तथा लड़कियों और लड़कों पर विविध और असमान प्रभाव डालेंगे या नहीं। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग बजट बनाने के बारे में नहीं हैं। वे बजट प्राथमिकताओं के जेंडर-संवेदी विश्लेषण में मदद करते हैं। यह विश्लेषण बजट में किए जाने वाले संशोधनों का आधार बनता है।

इसके अतिरिक्त एक सम्पूर्ण जेंडर बजट विश्लेषण केवल लैंगिक सरोकारों या महिलाओं से संबंधित बजट के हिस्सों पर ही केंद्रित नहीं होती बल्कि यह सरकारों के सभी क्षेत्रीय प्रावधानों को महिलाओं, पुरुषों, लड़कियों व लड़कों पर उनके विविध प्रभावों के लिए भी जांचती है। यह विश्लेषण थोड़ा आगे जाकर जेंडर आयु समूहों के उप-समूहों पर भी विचार करता है।

अधिकांश *जेंडर अनुकूल बजट पहल* का लक्ष्य सरकारी बजट में परिवर्तन करना होता है परन्तु इसके कई अन्य लाभ भी हैं। यह जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने वित्त और निणर्यों में पारदर्शिता लाने तथा लोकतंत्र को बढ़ावा देना का भी अहम तरीका है। यह सरकारी विभागों, गैर सरकारी संगठनों व अन्य पक्षधरों के उत्तरदायित्व सुधारने और सेवाओं को लक्षित करने की भी अनुमति

देता है। साथ ही यह निश्चित करता है कि मंत्रालय व नगरपालिकाएं अपने चुनाव क्षेत्रों की ज़रूरतों और प्राथमिकताओं के प्रति जवाबदेह हों। *जेंडर अनुकूल बजट पहल* यह भी ध्यान रखती है कि नीतियों को संबंधित बजट निर्धारण के साथ लागू किया जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय घोषणाओं के प्रति सरकार की वचनवद्धता के कार्यान्वयन में भी मदद करती है।

जेंडर खण्डों मे जेंडर अनुकूल बजट

जेंडर विश्लेषण के लिए पानी को कार्यसूची में शामिल करने से सतत व समावेशी जल संसाधन विकास और प्रबंधन का दृष्टिकोण विकसित होता है क्योंकि इसमें बजट विश्लेषण के लिए बहु-पक्षीय पक्षधरों से जुड़े तरीके शामिल होते हैं। *जेंडर अनुकूल बजट पहल* की मांग के पीछे मुख्य कारण वरिष्ठ निर्णयकर्त्ताओं और कार्यान्वयन एजेंसियों की गरीब महिलाओं की ज़रूरतों व जल खण्डों में लैंगिक भेदभाव को सम्बोधित करने के सुस्त रवैयों के नतीजतन बढ़ती कुंठा है। तंजानिया का 'जेंडर नेटवर्किंग कार्यक्रम' तंजानिया के राष्ट्रीय बजट का लैंगिक विश्लेषण करते हुए जेंडर अनुकूल बजट पहल की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए यह टिप्पणी करता है, "राष्ट्रीय बजट राज्य की प्राथमिकताओं का सबसे सच्चा संकेतक है। दुर्लभ संसाधनों के आबंटन की प्रक्रिया सरकार की प्राथमिकताओं को उजागर करते हुए उनके चहेते संघटनों को तब चिन्हित कराती है जब निर्णयकर्त्ताओं पर नीति प्राथमिकताओं के बीच चुनाव करने के लिए दबाव डाला जाता है। जहां नीति व बजट मार्गदर्शक उद्देश्यों के मानक और दिशा निर्धारित करते हैं वहीं बजट राजनैतिक इच्छाशक्ति की वास्तविकता प्रदर्शित करता है।"

जेंडर अनुकूल बजट पहल कौन कर सकता है?

जेंडर अनुकूल बजट पहल के मुख्य पात्र सरकार के विभिन्न स्तर, मंत्रालय और विभागों के साथ-साथ महिला समूह व अन्य नागरिक समाज से जुड़े भागीदार हैं। जिन देशों में यह प्रयोग सफल रहे हैं वहां इस प्रयोग का समन्वय करने का श्रेय संबंधित मंत्रालय, महिला संगठन या गैर सरकारी संगठन अथवा विश्वविद्यालय या शोध केंद्र को जाता है।

जल खण्ड में जेंडर समानता लागू करने के लिए जेंडर अनुकूल बजट पहल

जेंडर अनुकूल बजट पहल के साधन जैसे *जेंडर-असंकलित लाभार्थी मूल्यांकन* पानी व सार्वजनिक सफ़ाई सेवाओं और आबंटित बजट निर्धारण के बीच संबंध का जायज़ा लेते हैं। पानी के निजीकरण के मामले में यह मूल्य नीतियों के प्रभाव तथा स्त्री-पुरुष की आमदनी व सार्वजनिक सेवाओं से उनके संबंध का विश्लेषण करने में भी सहायता करते हैं। यह उन लोगों के लिए बजट पुनर्निधारण की ज़रूरत पर भी ज़ोर देते हैं जिनके पास जल सुविधाएं नहीं पहुंच रही हैं। इस प्रयोग की मदद से गरीब पुरुष-महिलाओं, स्त्री-मुखिया परिवारों, भूमिहीन औरतों व ज़मीन के छोटे से टुकड़े पर स्वामित्व रखने वाले स्त्री-पुरुषों के लिए सेवाओं के अभाव अथवा कमी को भी उजागर किया जा सकता है।

समय प्रयोग पर बजट के प्रभाव का असंकलित विश्लेषण एक ऐसा साधन है जो यह दिखाता है कि किसी काम को पूरा करने में औरतों द्वारा लगाया गया समय जो कि असल में राज्य का दायित्व है, वास्तव में राज्य को आर्थिक सहायता प्रदान करता है। उदाहरण के लिए महिलाएं अधिकतर सेवाओं में कमी की पूर्ति परिवारों व बच्चों की मूल ज़रूरतों को पूरा करने में अधिक समय लगाकर करती हैं। जब पानी की कमी होती है तब औरतें दूर-दराज़ से पानी लाती हैं, उसके पुनर्चक्रण और संरक्षण के तरीके ढूढ़ती हैं और घरेलू कार्यों को पूरा करने में अधिक वक्त देती हैं। अगर इस समय की कीमत वित्तीय तौर पर आंकी जाए तो राज्य की इस प्राथमिक ज़िम्मेदारी को पूरा करने में औरतों द्वारा लगाया गया समय राज्य के प्रति एक आर्थिक योगदान होता ही है।

एक अन्य लाभदायक साधन है *जेंडर असंकलित सार्वजनिक व्यय लाभ विस्तार विश्लेषण।* प्रायः जल के निजीकरण में पानी व सफ़ाई आधारभूत सुविधाओं को अलग रखा जाता है और इसे मुहैया करने की ज़िम्मेदारी सरकारी ऋण व निवेश पर छोड़ दी जाती है। सरकार के खर्चे का लाभार्थी विश्लेषण सरकारी व्यय के अमीरों के प्रति रूझान को दर्शाता है। गोल्फ कोर्स, स्विमिंग पूल व उद्योग आधारभूत सेवाओं में अधिक पानी का उपयोग करते हैं

जबकि गरीब महिलाएं अपनी सीमित ज़रूरतों और पैसे देने की अक्षमता के कारण कम पानी इस्तेमाल करती हैं।

असंकलित कर विस्तार विश्लेषण की मदद से कर निर्धारण नीतियों का बाज़ार व घरेलू स्तर पर निरीक्षण किया जाता है। घरेलू स्तर पर जल प्रावधान और प्रबंधन संदर्भ में भी स्वच्छता सरकार की ज़िम्मेदारी होती है जिसमें निवेश के लिए राजस्व का इस्तेमाल किया जाता है। बाजार के संदर्भ में अनौपचारिक क्षेत्र व लघु उद्योगों पर मालिकाना हक़ होने के कारण औरतें कर अदा करती हैं जबकि जल आधारभूत सुविधाएं उनकी ज़रूरतों की पूर्ति नहीं करतीं।

कुछ ही *जेंडर अनुकूल बजट पहल* जल खण्ड के अनेक आयामों पर केंद्रित होती हैं। उदाहरण के लिए जेंडर अनुकूल बजट का इस्तेमाल को पानी व स्वच्छता सेवाओं, सिंचाई के लिए पानी तक समान पहुंच या समावेशी जल संसाधन प्रबंधन अर्जित करने के लिए किया जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका में इसकी मदद से महिलाओं के लिए अन्य सेवाओं जैसे बिजली के अभाव की बात उठाई गई है। *जेंडर अनुकूल बजट पहल* को लैंगिक हिंसा व निगरानी, कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कर, पेंशन, खाद्य सब्सिडी नीतियों तथा भूमि-आबंटन में भी उपयोगी पाया गया है।

साभारः रिसोर्स गाइडः मेनस्ट्रीमिंग जेंडर इन वॉटर मैनेजमेंट- 2006